उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में प्लांट टिशू कल्चर टेक्नोलॉजी और उसके अनुप्रयोगों पर प्रशिक्षण का उदघाटन किया गया

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ और सीसी), भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित कौशल भारत विकास कार्यक्रम के तहत छह प्रशिक्षणों में से प्रथम प्रशिक्षण "प्लांट टिशू कल्चर टेक्नोलॉजी और उसके अनुप्रयोगों" का उद्घाटन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन श्री चंद्रामौली शुक्ला (आई.ए.एस), कमिशनर, जबलपुर नगर-निगम एवं कार्यकारी निदेशक, जबलपुर स्मार्ट सिटी की उपस्थिति में किया गया।

प्रशिक्षण प्रभारी, डॉ. गीता जोशी ने अन्य पांच प्रशिक्षणों - अकाष्ठ वन उत्पाद/औषधीय पौधों, वन एंटोमोलॉजी और कीट नियंत्रण , कचरा प्रबंधन , लघु बॉटनिकल गार्डन का प्रबंधन और बांस का उत्पादन और प्रबंधन के बारे में सभा को सूचित किया। डॉ. फातिमा शिरिन, प्रशिक्षण समन्वयक, वैज्ञानिक-एफ और एवं प्रभाग प्रमुख जेनेटिक्स और पेड़ सुधार प्रभाग ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और उन्हें प्लांट टिशू कल्चर और इसके द्वारा रोजगार के अवसरों के बारे में बताया।

डॉ. जी राजेश्वर राव,(ए.आर.एस.) निदेशक टीएफआरआई ने सभा को संबोधित किया और प्रशिक्षुओं से संस्थान में अपने समय का अधिकतम उपयोग करने के लिए कहा। समारोह के सम्माननीय अतिथि, श्री चंद्रमौली शुक्ला ने भारत सरकार की योजनाओं में टीएफआरआई, जबलपुर के योगदान की सराहना की और प्रशिक्षुओं को प्लांट टिशू कल्चर टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में उद्यमियों के रूप में अपनी क्षमता को विकसित करने के लिए जितना संभव हो उतना ज्ञान हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने शहर और उसके बागों के लिए गुणवत्ता रोपण सामग्री उत्पन्न करने के लिए ऐसी युवा क्षमता की आवश्यकता पर बल दिया और जबलपुर नगर पालिका द्वारा प्रबंधित सार्वजनिक उद्यानों के लिए गुणवत्ता रोपण सामग्री का उत्पादन करने में प्रशिक्षुओं को किसी तरह का रोजगार प्रदान करने का आश्वासन दिया। इसके अलावा, उन्होंने शहर को हरित करने की दिशा में संस्थान की विशेषज् के साथ भावी सहयोग के लिए प्रत्याशा व्यक्त की।

सतना, रीवा, जबलपुर, इलाहाबाद क्षेत्र से आने वाले लगभग 15 स्नातक, मास्टर और डॉक्टरेट स्तर के विज्ञान के छात्र प्लांट टिशू कल्चर के इस प्रशिक्षण में भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर श्री मुकुंद बायोटेक के अग्रणी प्लांट टिशू कल्चर उद्यमी श्री दीपंकर अग्रवाल भी उपस्थित थे। संस्थान के अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिक जैसे डॉ. पीबी मेश्रम, डॉ. आर.के. वर्मा, डॉ. अविनाश जैन, डॉ. अरुण कुमार आदि हरीत कौशल विकास के इस पहल का समर्थन करने के लिए अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ मौजूद थे। डॉ। प्रमोद कुमार, वैज्ञानिक-सी, जेनेटिक्स और वृक्ष सुधार विभाग द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

Training on Plant Tissue Culture Techniques and its Applications inaugurated at Tropical Forest Research Institute, Jabalpur

The first training on "Plant Tissue Culture Techniques and its Applications" out of the six trainings under Green Skill Development Programme sponsored by the Ministry of Environment, Forest and Climate Change (MoEF&CC), Government of India, New Delhi was inaugurated at Tropical Forest Research Institbalpur. The event was inaugurated under the graceful presence of Shri Chandramauli Shukla (IAS), Commissioner, Jabalpur Municipal Corporation and Executive Director, Jabalpur Smart City.

Dr. Geeta Joshi, Training Incharge, informed the gathering about the other five trainings of NTFP Products/Medicinal Plants, Forest Entomology and Pest Control, Waste Management, Management of Small Botanical Gardens and Propagation and Management of Bamboo that will succeed this training of Plant Tissue Culture. Scientist-F, Dr. Fatima Shirin, Training Coordinator and Head, Genetics and Tree Improvement Division welcomed all the participants and briefed them about Plant Tissue Culture training and its role in employment generation.

Dr. G. Rajeshwar Rao (ARS), Director TFRI, addressed the gathering and asked the trainees to utilize their time at the institute to improve their green skills. The guest of honor, Shri Chandramauli Shukla (IAS), appreciated the efforts of TFRI, Jabalpur in contributing towards the initiative of Government of India and encouraged the trainees to gain as much knowledge as possible to nurture their potential as entrepreneurs in the field of plant tissue culture. He also emphasized the need of such young potential to produce quality planting material for the city and its gardens. He also assured some kind of employment to the trainees in producing quality planting material to the public gardens managed by Jabalpur municipality. Further, he expressed anticipation for future association with the institute's expertise towards greening of city.

The dignitaries also released the course manual during the event. Around 15 students coming from Satna, Rewa, Jabalpur, Allahabad region having bachelor, master and doctorate level qualifications of science are participating in this training. Shri Deepankar Agarwal, pioneer plant tissue entrepreneur of Jabalpur from Shri Mukund Biotech also graced the occasion with his presence. Other senior scientists like Dr. P. B. Meshram, Dr. R. K. Verma, Dr. Avinash Jain, Dr. Arun Kumar etc. along with other scientists, officers and employees of the institute were also present to support this initiative for green skill development. The session concluded by extension of vote of thanks by Dr. Pramod Kumar, Scientist-C, Genetics and Tree Improvement Division.